पहियों का संसार

हर घर की मेंबर बन रही कार

का र कभी शान शौकत और रसूखदारों की पहचान मानी जाती थी। एक जमाना था, जब सफेद रंग की फिएट निकलती थी तो बड़ों से बच्चों की निगाह टिक जाती थीं। जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी विकसित हुई और लोगों की आमदनी का जरिया बढ़ा तो कार शान शौकत से हटकर घरों की जरूरत बनती गई। पिछले दो दशकों में कार के बाजार में तेजी से उछाल आया। कार निर्माता कंपनियों ने भी मध्यम वर्ग को ध्यान में रखते हुए कारें बनाईं और आसान फाइनेंस ने कार को घर-घर तक पहुंचा दिया।

-प्रस्तुति: अंकुर शर्मा

भारतीय परिवारों में तीन कैटेगरी की कारें मिलती हैं। ए कैटेगरी में हैचबैक और सिडान, बी कैटेगरी में एसयूवी (स्पोर्टस यूटिलिटी व्हीकल) और एमपीवी (मल्टीपर्पज व्हीकल),सी कैटेगरी में वैन और ईको कार आती हैं। हर भारतीय की जरूरत हैचबैक कार पूरी कर देती थी, क्योंकि कार खरीदते समय वह माइलेज, मेंटेनेंस, पार्किंग स्पेस, रिपेयरिंग ही देखता था। कार के सेफ्टी व लक्जरी फीचर्स से ज्यादा लेना-देना नहीं होता था। कार एक्सपर्ट का दावा है कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय खासकर मध्यम वर्ग जिन पर कार कंपनियां ज्यादा फोकस करती हैं, हैचबैक से सिडान पर शिफ्ट हुआ है। आम भाषा में कहें तो ऐसी हर कार, जिसमें सात सवारियों की बैठने की सीटें और अलग से डिग्गी होती है, उन्हें सिडान कहा जाता है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि सिडान ने हैचबैक के ही मेजरमेंट में अधिक लेग स्पेस और हेड स्पेस दिया, जिसने यात्रा को सुगम और आरामदायक बनाया, जिसके बाद जेनरेशन-एक्स हैचबैक से सिडान पर शिफ्ट हुई। इसके बाद सभी कार निर्माता कंपनियों ने सिडान के प्रोडक्शन पर ज्यादा ध्यान दिया। अब सिडान व्हीकल्स अत्यधिक फीचर्स के साथ बाजार में उपलब्ध है।

एसयूवी अब शहरों की शान

मारुति सुजुकी के कार एक्सपर्ट शुभम बताते हैं कि एसयूवी जैसा नाम से ही क्लीयर है कि स्पोर्टस यूटिलिटी व्हीकल ऑफ रोडिंग जंगलों व ऊबड़ खाबड़ रास्तों के लिए है। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस बहुत होती है, जो ऑफ रोडिंग के लिए अच्छा फीचर माना जाता है। अब एसयूवी भी घरों में जगह बना रही है। लोग अपने इस्तेमाल के लिए एसयूवी को अफोर्ड कर रहे हैं, जिस वजह से अब एसयूवी शहरों की भी कार बन गई हैं।

सिर्फ टेक्नोलॉजी नहीं सेफ्टी भी है जरूरी

हल्द्वानी स्थिति नैनीताल मोटर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर भूपेश अग्रवाल बताते हैं कि एक कार में सेफ्टी फीचर्स में दो एयर बैग, सीट बेल्ट, पॉवर स्टेयरिंग, चाइल्ड लॉक बेसिक माने जाते हैं। अब नए एआई इरा में कार में सेफ्टी फीचर्स में भी बदलाव किया है। इसमें मारूति सुजुकी ने शुरुआत की है। मारूति सभी कारों में हर सीट के लिए एयर बैग दे रहा है। इनीशियल लेवर पर ऑल्टो के बेसिक मॉडल में भी पांच सीटों के लिए पांच एयर बैग हैं। हालांकि कई कंपनियों में महंगी कारों के टॉप मॉडल में यह सुविधा देते हैं। वह बताते हैं कि कार को तेज गति में स्किड होने से बचाने के लिए एबीएस (एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) और खतरनाक मोड़ों पर सुरक्षा के लिए ईएसपी (इलेक्ट्रॉनिक स्टैबिलिटी प्रोग्राम) फीचर्स दे रहे हैं।

फीचर्स जो कारों को बना रहे हाईटेक

इलेक्ट्रॉनिक एडजस्टेड सीट्स

- अब कार में सीट को एडजेस्ट करने के लिए हैंडिल की खींचातानी करने की जरूरी नहीं है। कार में इलेक्ट्रॉनिक एडजस्टेड सीट्स आ रही है, जो एक बटन दबाते ही आरामदायक ढंग से आगे-पीछे एडजस्ट होती हैं।

वेंटीलेटेड सीट्स

- गर्मी में ठंडी और सर्दी में गर्मी का अहसास कराने के लिए वेंटीलेटेड सीट्स आ रही है। आमतौर पर कार में आगे और लग्जरी कार में पीछे एसी होते हैं, लेकिन अब कार की सीट्स में एसी इन बिल्ट आ रहे हैं। इस तरह कार में बैठने वाले हर शख्स को एसी/हीटर की सुविधा मिलेगी, जो सफर को मौसम के अनुकूल बना देगा।

वायरलेस चार्जर

- कार में वायरलेस चार्जर की सुविधा आ गई है। कार में फोन चार्ज करने के लिए वायर लगाने का झंझट नहीं है। चार्जिंग वायर भूलने पर भी फोन चार्ज होगा। वायरलेस चार्जर की सुविधा है कि फोन को चार्जर पर रखना होगा और कोई भी फोन फटाफट चार्ज होगा।

कार प्ले बना सबकी पसंद

- अब हर कार में कार प्ले सबकी पसंद बन गया है। एलईडी स्क्रीन पर सेंसर्स कैमरे के जरिए आगे-पीछे देखना हो या गाना सुनना हो। चालक की हर फरमाइश कार प्ले से पूरी हो रही है। इस वजह से लोग कार प्ले को जरूर लगवा रहे हैं।

डिजिटल व टेक्नोलॉजी से कार इंडस्ट्री भी अछूती नहीं है। कई कंप्यूटराइज्ड फीचर्स हैं जिन्होंने लग्जरी को बच्चों का खेल बना दिया है।

नेविगेशन लगाओ, कार ढूंढ लाओ

- कभी-कभी होता है कि कार पार्किंग में लगाने के बाद भूल जाते हैं, तो चिंता की बात नहीं है। अब कार को फोन से कनेक्ट कर दिया जाता है। इस तरह फोन से कार को ऑन-ऑफ के साथ ही एसी भी ऑन कर सकते हैं। यदि आप कार पार्क कर भूल गए हैं तो नेविगेशन के जरिए कार तक पहुंच जाएंगे। इस तरह कई मल्टीपल फंक्शन हैं, जिन्होंने कार को सिर्फ लग्जरी नहीं, बल्कि जरूरत बना दिया है।

जीएसटी में छूट से बाइक और कार खरीदारों की बल्ले-बल्ले

बीते दिनों केंद्र सरकार ने ऑटोमोबाइल सेक्टर को राहत देते हुए जीएसटी में कमी का ऐलान किया है। इस फैसले से कार और बाइकों की कीमतों में गिरावट आई है। जो लोग नई कार या बाइक का खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो उनके लिए यह अच्छी खबर है। जीएसटी घटने से छोटी से लेकर बड़ी सभी तरह की गाड़ियों की कीमत में कमी आई है। आज हम आपको कार और बाइकों की कीमत में आई कमी के बारे में बताएंगे। जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर 2025 से लागू होंगी। इससे दोपहिया वाहन के साथ-साथ फोर व्हीलर खरीदने वालों को भी बड़ा फायदा मिलेगा। ऑटोमोबाइल सेक्टर विशेषज्ञों की माने तो बाइक की खरीद पर लगभग 7,000 से 20,000 रुपए तक की बचत होगी, वहीं अर्टिगा और ब्रेजा जैसी कार खरीदने पर ग्राहकों के 30,690 रुपए तक की बचत हो सकती है। यहां बताते चले कि यह बचत अकेले एक्स शोरूम कीमतों पर होगी। इंश्योरेंस और रजिस्ट्रेशन की कीमतों में भी मामूली कमी आएगी, जिससे कुल लागत में और कटौती ग्राहकों को मिलेगी।

22 सितंबर से पहले भी ऑफर

ग्राहक 22 सितंबर से पहले भी इसका लाभ ले सकें, इसके लिए वाहन डीलरों की ओर से एक्सचेंज ऑफर और कॉरपोरेट डिस्काउंट सहित कई ऑफर दिए जा रहे हैं। साथ ही बुकिंग कराने पर इंस्टेंट गिफ्ट के रूप में 2,000 रुपए तक का कैश डिस्काउंट और कैश बोनस भी मिल रहा है। यह छूट ग्राहकों के इनवॉयस पर लागू होगी।

350 सीसी से कम इंजन वाली बाइक पर टैक्स में बड़ी कटौती

नियमों में बदलाव के बाद अब 350 सीसी से कम इंजन वाली बाइक पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जो पहले 28 प्रतिशत था। वहीं, 350 सीसी से अधिक की बाइक पर अब 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा, जो पहले 31 प्रतिशत था।

ग्राहकों मिलेगा भारी लाभ

- 20 सितंबर तक खरीदारी पर 45,000 से 51,000 रुपए तक का लाभ मिल रहा है। यानी अभी खरीदारी करने पर ग्राहकों को 9,012 रुपए की अतिरिक्त बचत होगी। ब्रेजा की खरीदारी पर अनुमानित कटौती 34,310 से लेकर 48,629 रुपए तक होने वाली है। अगर अभी खरीदेंगे, तो 65,000 रुपए तक की बचत होगी। इस तरह आप अतिरिक्त 30,690 रुपये तक की बचत कर सकते हैं।

अर्टिगा और ब्रेजा की खरीदारी पर 30,690 रुपए तक की एक्स्ट्रा बचत

- आपको मारुति सुजुकी की खरीदारी करनी है, तो इंतजार न करें। जीएसटी घटने के बाद जो कीमत कम होगी, उससे भी कम कीमत पर अभी ही खरीदारी कर सकते हैं। कंपनी के विभिन्न शोरूम में इसका लाभ मिल रहा है। जीएसटी कटौती के बाद एक्स शोरूम, रोड टैक्स और इंश्योरेंस को मिलाकर अर्टिगा में अनुमानित कटौती 35,988 से 48,809 रुपए होने वाली है।

ऑटो टिप्स

गाड़ी का माइलेज बढ़ाने के आसान टिप्स

ई-20 पेट्रोल आने के बाद अधिकतर लोग अपनी गाड़ी के माइलेज को लेकर चिंतित हैं, ऐसे में अगर आप अपनी कार का माइलेज बेहतर बनाना चाहते हैं, तो थोड़ी सी सावधानी और कुछ आसान टिप्स अपना सकते हैं।

सही स्पीड चुनें

कार को सही स्पीड में चलाएं। बहुत तेज या स्लो स्पीड में कार चलाने पर ईंधन ज्यादा खर्च होता है। आमतौर पर 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार माइलेज के लिए सबसे अच्छी मानी जाती है। अचानक तेज स्पीड या अचानक ब्रेक लगाने से बचें। इससे इंजन पर दबाव पड़ता है और ईंधन ज्यादा खर्च होता है।

टायरों के प्रेशर की करें जांच

माइलेज बढ़ाने के लिए टायरों का प्रेशर नियमित रूप से जांच करें। कम हवा वाला टायर ज्यादा रोलिंग रेजिस्टेंस पैदा करता है, जिससे कार के इंजन को अधिक मेहनत करनी पड़ती है और ईंधन भी ज्यादा खर्च होता है।

एसी का स्मार्ट इस्तेमाल

गर्मियों के दौरान, एसी का स्मार्ट उपयोग ईंधन की बचत का महत्वपूर्ण उपाय है। कार में बैठते ही एसी चालू न करें। केबिन को पहले से ठंडा करने के लिए खिड़कियां नीचे कर दें। एसी को मध्यम स्तर पर रखें और रीसर्कुलेशन मोड पर स्विच करें। इससे सिस्टम पर ओवरलोडिंग से बचा जा सकेगा।

गियर का बेहतर प्रयोग

पेट्रोल या डीजल कार का माइलेज बेहतर होना इस बात पर निर्भर करता है कि आप गियर कितनी आसानी से और समय पर बदलते हैं। अधिक आरपीएम ज्यादा ईंधन जलाता है। इसलिए क्लच दबाने या गियर बदलने में जोर लगाने से बचें।

यातायात पर ध्यान दें

शहर में वाहन चलाते समय, जहां बेढंगा यातायात है, लाल बत्ती और धीमी गति से चलने वाले वाहनों का पूर्वानुमान लगाने का प्रयास करें। राजमार्गों पर वाहन चलाते समय स्थिर गति पर ऊंचे गियर का प्रयोग करें। सुचारू ड्राइविंग से ईंधन की खपत कम होती है, इंजन पर कम दबाव पड़ता है।

सर्विस और इंजन ट्यून

कार की जब अच्छी देखभाल की जाती है तो यह बेहतर प्रदर्शन करती है। नियमित सर्विस छोड़ने से समय की बचत हो सकती है, लेकिन आगे चलकर ईंधन और मरम्मत पर खर्च बहुत बढ़ सकता है। समय पर इंजन का तेल बदलें, क्योंकि ताजा तेल घर्षण कम करता है और इंजन को सुचारू चलाने में मदद करता है।

एयर फिल्टर बदलें

एयर फिल्टर नियमित रूप से बदलें, क्योंकि फिल्टर के जाम होने से वायु प्रवाह बाधित होगा, जिससे इंजन को अधिक काम करना पड़ेगा। ईंधन इंजेक्टरों को साफ करें, और गंदे इंजेक्टर ईंधन स्प्रे को प्रभावित करते हैं और माइलेज कम करते हैं।

मार्ग की योजना बनाएं

निष्क्रिय समय माइलेज का सबसे बड़ा दुश्मन है, क्योंकि यह बिना कहीं जाए ही ईंधन खा जाता है। ऐसे में यात्रा के लिए स्मार्ट रूट प्लानिंग आपके लिए बहुत मददगार साबित हो सकती है। इसके लिए कम मोड़ और सिग्नल लें, इससे ईंधन कम खर्च होगा।

अतिरिक्त भार करें कम

जरूरत से ज्यादा सामान ढोने से ईंधन टैंक जल्दी खाली हो सकता है। इसके लिए डिक्की या पीछे की सीटों से अनावश्यक सामान हटा दें। वजन कम करने से माइलेज बढ़ता है।

इंजन को सही तरीके से गर्म करें

ठंडी कारें माइलेज को प्रभावित कर सकती हैं, विशेष रूप से सर्दियों में या सुबह के समय। आधुनिक इंजन इस तरह डिजाइन किए गए हैं कि गाड़ी चलाते समय जल्दी गर्म हो जाएं। इसलिए 30-40 सेकंड के निष्क्रिय समय के बाद धीरे-धीरे गाड़ी चलाना शुरू कर सकते हैं।

भरोसेमंद पंप चुनें

सभी ईंधन अच्छी गुणवत्ता के नहीं होते। खराब गुणवत्ता वाला या मिलावटी ईंधन इंजेक्टरों को जाम कर सकता है, इंजन के पुर्जों को नुकसान पहुंचाकर माइलेज कम कर सकता है। इसलिए हमेशा विश्वसनीय, उच्च यातायात वाले स्टेशनों पर ईंधन भरवाएं।